



निर्णय बड़जलास श्री दिव्यराज सिंह चूण्डावत (आर.ए.एस.) उपखण्ड

अधिकारी सांगोद जिला कोटा

प्रकरण संख्या :9/2015

तारीख दायरा 30.03.2015

उगवान

भंवरसिंह पुत्र मनोहर सिंह जाति राजपूत निवासी कुन्दनपुर तहसील सांगोद हाल मुकाम भीमपुरा तहसील लाडपुरा कोटा जिला कोटा राजस्थान।
- वादी

बनाम

1. योगेन्द्र सिंह पुत्र मनोहर सिंह जाति राजपूत।
2. शांतिबाई वेवा मनोहर सिंह जाति राजपूत निवासीगण कुन्दनपुर हाल निवासी भीमपुरा तहसील लाडपुरा जिला कोटा।
3. चतर सिंह पुत्र मदन सिंह जाति राजपूत निवासी कुन्दनपुर।
4. रघुवीर सिंह पुत्र मदन सिंह जाति राजपूत निवासी कुन्दनपुर तहसील सांगोद।
5. भंवर सिंह माता उच्छव बाई जाति राजपूत।
6. सोभाग सिंह माता उच्छव बाई जाति राजपूत निवासी विशनखेडी तह0 खानपुर।
7. पप्पू माता उच्छव बाई जाति राजपूत निवासी विशनखेडी तह0 खानपुर।
8. लेधियान बाई माता उच्छव बाई जाति राजपूत निवासी विशनखेडी तह0 खानपुर।
9. वेवी कंवर माता उच्छव बाई जाति राजपूत निवासी विशनखेडी तहसील खानपुर जिला झालावाड राजस्थान।
10. राज्य सरकार जरिये लैण्ड होल्डर तहसीलदार साहब सांगोद।
11. बैंक ऑफ राजस्थान कनवास शाखा कनवास जिला कोटा।
- प्रतिवादीगण

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 53, 88, 89 आर. टी. एक्ट

उपस्थित :-


श्री महेश कुमार तिवारी (वकील वादीगण)

दिनांक :- 19.6.2023

श्री सरकार पैरोकार



1


उपखण्ड मजिस्ट्रेट
सांगोद, जिला- कोटा

संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि वादी द्वारा एक वाद पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया है कि वादी व प्रतिवादीगण नं० 1 ता 4 के संयुक्त खाते व कब्जे काश्त की पुश्तैनी आराजी माल ग्राम कुन्दनपुर पटवार हलका कुन्दनपुर तहसील सांगोद में खाता सं० नई 46 पुरानी 38 के खसरा नं० 164 की 0.30 है०, खसरा नं० 165 की 0.31 है०, खसरा नं० 166 की 0.36 है०, खसरा नं० 186 की 0.18 है०, खसरा नं० 279 की 0.01 है०, खसरा नं० 345 की 0.22 है०, खसरा नं० 404 की 0.26 है० कुल 7 किता की 1.64 है० आराजीयात स्थित है, जो कि खसरा नं० 186 की आराजी को छोड़कर शेष आराजी प्रतिवादी नं० 11 बैंक ऑफ राजस्थान कनवास के रहन दर्ज है। जिसकी कोई राशि वादी व प्रतिवादीगण के उपर बकाया नहीं है तथा कई बार निवेदन करने पर भी वादी को नोड्यूज नहीं दिया गया है। वाद पत्र में वर्णित आराजीयात वादी की पुश्तैनी आराजी है जिसमें वादी के पिता स्व० मनोहर सिंह व प्रतिवादी नं० 3 व 4 चतर सिंह, रघुवीर सिंह ने अपनी बहिन स्व० उच्छव वाई की सहमति से आज से करीब 35-40 वर्ष पूर्व अर्थात् मनोहर सिंह के जीवन काल में ही आपसी सहमति से पारिवारिक विभाजन कर लिया था तथा पारिवारिक विभाजन अनुसार वादी व प्रतिवादी नं० 1 व 2 के पिता स्व० मनोहर सिंह के हिस्से में माल ग्राम कुन्दनपुर की खसरा नं० 165 की 0.31 है०, खसरा नं० 186 की 0.18 है०, खसरा नं० 404 की 0.26 हैक्टर आराजी हिस्से में आयी थी, जिस पर स्व० मनोहर सिंह के जीवनकाल से ही शांति पूर्वक काबिज काश्त व उपयोग-उपभोग करते चले आ रहे हैं तथा स्व० उच्छव वाई ने करीब 35-40 वर्ष पूर्व ही आपसी सहमति से अपना हिस्सा तीनों भाईयों के हक में छोड़ (हक त्याग) दिया है। ऐसी स्थिति में उक्त आराजी से अब स्व० उच्छव वाई का कोई लेना देना नहीं है, मात्र राजस्व रिकार्ड में नाम दर्ज है तथा मौके पर भी खसरा नं० 165 की 0.31 है०, खसरा नं० 186 की 0.18 है०, खसरा नं० 404 की 0.26 है० आराजी को स्व० मनोहर सिंह व उनकी मृत्यु के बाद से वादी व प्रतिवादी नं० 1 व 2 शांति पूर्वक काबिज काश्त करते चले आ रहे हैं तथा शेष रही आराजी को प्रतिवादी नं० 3 व 4 काश्त करते चले आ रहे हैं।

वादी व प्रतिवादी नं० 1 व 2 उक्त आराजी को बहैसियत काश्तकार आराजी काश्त करते चले आ रहे हैं, परन्तु राजस्व रिकार्ड में सम्मिलित नाम दर्ज होने

से वादी व प्रतिवादी नं० 1 व 2 को अपनी आराजी का विकास कार्य करवाने व कृषि ऋण आदि लेने में काफी परेशानी होती है, जिसमें वादी द्वारा प्रतिवादी नं० 3 व 4 से तहसील कार्यालय में चलकर मौके पर कब्जे काशत अनुसार आराजी का विभाजन करवाने की कहने पर उनके द्वारा मना कर देने व तैयार नहीं होने से माननीय न्यायालय में उक्त वाद प्रस्तुत करना आवश्यक हुआ है, जिसके लिए उक्त वाद प्रस्तुत किया जा रहा है।

अतः वाद पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है कि वादी व प्रतिवादी नं० 1 व 2 के पक्ष में व प्रतिवादीगण कम 3 ता 11 के विरुद्ध निम्न आशय की डिक्री सादिर पारित फरमायी जावे कि :-

माल ग्राम कुन्दनपुर तहसील सांगोद की खाता सं० नई 46 के खसरा नं० 165 की 0.31 है०, खसरा नं० 186 की 0.18 है०, खसरा नं० 404 की 0.26 है०, आराजी जो आज से करीब 35-40 वर्ष पूर्व हुए पारिवारिक विभाजन अनुसार वादी व प्रतिवादी नं० 1 व 2 मौके पर शांति पूर्वक काविज काशत में है, का वादी व प्रतिवादी नं० 1 व 2 को खातेदार कृपक घोषित किया जाकर घोषणा की डिक्री पारित फरमायी जावे तथा शेष आराजी का प्रतिवादी नं० 3 व 4 को खातेदार कृपक घोषित किया जावे। उक्त घोषणा अनुसार इन्द्राज दुरस्त कर राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किये जाने के सादिर आदेश पारित फरमावे। साथ ही उक्त घोषणा के अनुक्रम में स्व० उच्छव बाई का नाम खाते से डिलीट किये जाने के सादिर आदेश पारित फरमावे। इस आशय की घोषणा व विभाजन व इन्द्राज दुरस्ती की डिक्री सादिर पारित फरमायी जावे तथा राज लगान भी पृथक-पृथक किया जा कर राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किये जाने के सादिर आदेश पारित फरमावे। प्रकरण में प्रतिवादी सं. 10 फॉर्मल पक्षकार है।

उक्त आशय का वाद प्रस्तुत होने पर वाद को दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी की तलवी की गई। प्रतिवादी सं. 1 ता 4 एवं 7 की ओर से वकील श्री बहादुर सिंह ने वकालत नामा पेश किया। प्रतिवादी सं. 5, 6, 8, 9 की ओर से वकील श्री ओम प्रकाश नामा ने वकालत नामा पेश किया। प्रतिवादी सं. 11 की ओर से वकील श्री अशोक कुमार जैन ने वकालत नामा पेश किया। प्रतिवादी सं 1 ता 3 एवं 5 ता 9 की ओर से इकवाली जवाब दावा प्राप्त हुआ। प्रतिवादी सं. 4 ने जवाब दावा प्रस्तुत कर वाद पत्र में वर्णित तथ्यों पर आपत्ति व्यक्त की तथा राजस्व रेकार्ड में दर्ज हिस्से अनुसार अच्छी में से अच्छी एवं बुरी में से बुरी के आधार पर आराजी का विभाजन करने

हेतु प्रार्थना की। प्रतिवादी सं. 11 ने वाद प्रस्त आराजी पर रहन भार होना व्यक्त कर वाद पत्र स्वीकार करने पर आपत्ति व्यक्त की।

मेरे द्वारा पत्रावली का गहनता से अवलोकन किया गया। पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्य, नकल जमावंदी, राजस्व रेकार्ड, प्रतिवादीगण के जवाब दावों, इकवाली जवाब दावों आदि के आधार पर वादी का वाद स्वीकार किया जाकर प्राथमिक रूप से डिफ्री किया गया तथा विवादित आराजी में से उच्छ्व वाई का नाम डिलीट किया जाने तथा उक्त आराजी पर पक्षकारों की सहमति हो तो मौके पर काविज काश्त की स्थिति अनुसार अन्यथा वादी एवं प्रतिवादीगण के हिस्से पृथक से दर्ज कर अच्छी में से अच्छी एवं बुरी में से बुरी के आधार पर विभाजन रिपोर्ट तैयार करने हेतु तहसीलदार सांगोद को कमीशनर नियुक्त किया गया एवं कमीशनर फीस 200 रूपये मुकर्रर की गई।

तहसीलदार सांगोद द्वारा पत्रांक भूअ./2023/1136 दिनांक 24.04.2023 के माध्यम से प्रकरण में पक्षकारान की उपस्थिति में विभाजन प्रस्ताव तैयार कर न्यायालय हाजा में प्रस्तुत किया गया। मेरे द्वारा विभाजन प्रस्ताव का अवलोकन किया गया। तहसीलदार सांगोद द्वारा प्रस्तुत विभाजन प्रस्ताव पर किसी भी पक्षकार द्वारा कोई आपत्ति व्यक्त नहीं की गई है। अतः तहसीलदार सांगोद द्वारा प्रस्तुत विभाजन प्रस्ताव स्वीकर किये जाने योग्य होने से स्वीकार किया जाता है तथा प्रकरण में आदेश दिये जाते हैं कि—

माल ग्राम कुन्दनपुर पटवार हलका कुन्दनपुर तहसील सांगोद में खाता सं० नई 46 पुरानी 38 के खसरा नं० 164 की 0.30 है०, खसरा नं० 165 की 0.31 है०, खसरा नं० 166 की 0.36 है०, खसरा नं० 186 की 0.18 है०, खसरा नं० 279 की 0.01 है०, खसरा नं० 345 की 0.22 है०, खसरा नं० 404 की 0.26 है० कुल 7 कित्ता की 1.64 है० आराजीयात में पक्षकारान को निम्नानुसार खातेदार कृपक घोषित किया जाता है—

माल ग्राम	खातेदार का नाम	ख.न.	रकबा	किस्म	लगान रु.
कुन्दनपुर	भंवर सिंह पुत्र मनोहर सिंह जाति राजपूत	165	0.10 है. उत्तरी	चाही प्रथम	2.20
		186	0.06 है. उत्तरी	चाही द्वितीय	1.62
		404	0.09 है. उत्तरी	बारानी तृतीय	0.36
		कुल 3 कित्ता की कुल 0.25 है. आराजी			4.18


माल/ग्राम	खातेदार का नाम	ख.न.	रकबा	किस्म	लगान रू.
कुन्दनपुर	योगेन्द्र सिंह पुत्र मनोहर सिंह जाति राजपूत	165	0.11 है. मध्य	चाही प्रथम	2.42
		186	0.06 है. मध्य	चाही द्वितीय	1.62
		404	0.08 है. मध्य	वारानी तृतीय	0.32
	कुल 3 किता की कुल 0.25 है. आराजी				4.36

माल ग्राम	खातेदार का नाम	ख.न.	रकबा	किस्म	लगान रू.
कुन्दनपुर	शांति वाई पत्नि स्व. मनोहर सिंह जाति राजपूत	165	0.10 है. दक्षिणी	चाही प्रथम	2.20
		186	0.06 है. दक्षिणी	चाही द्वितीय	1.62
		404	0.09 है. दक्षिणी	वारानी तृतीय	0.36
	कुल 3 किता की कुल 0.25 है. आराजी				4.18

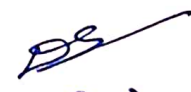
माल ग्राम	खातेदार का नाम	ख.न.	रकबा	किस्म	लगान रू.
कुन्दनपुर	रघुवीर सिंह पुत्र मदन सिंह जाति राजपूत	345	0.08 है. दक्षिणी	चाही प्रथम	2.48
		166	0.36 है. संपूर्ण	चाही तृतीय	7.92
		279	0.005 है. दक्षिणी	खेडा प्रथम	0.08
	कुल 3 किता की कुल 0.445 है. आराजी				10.48

माल ग्राम	खातेदार का नाम	ख.न.	रकबा	किस्म	लगान रू.
कुन्दनपुर	चतर सिंह पुत्र मदन सिंह जाति राजपूत (नामा. 394 दिनांक 2.1.23 मृतक चतर सिंह का विरासतन प्रक्रियाधीन)	345	0.14 है. उत्तरी	चाही प्रथम	4.34
		164	0.30 है. संपूर्ण	चाही तृतीय	6.60
		279	0.005 है. उत्तरी	खेडा प्रथम	0.08
	कुल 3 किता की कुल 0.445 है. आराजी				11.02

उपरोक्तानुसार पक्षकारान को खातेदारा कृपक घोषित किया जाता है।
उक्त घोषणा के अनुक्रम में विभाजन प्रस्ताव अनुसार आराजी पृथक-पृथक खाते दर्ज
की जाकर राज लगान का अंकन भी पृथक से किया जाकर राजस्व रेकार्ड में अमल
दरागद किया जावे। विवादित आराजी पर रहन भार होने की स्थिति में बैंक चार्ज
प्रथम होने के कारण रहन भार मूल खातेदार पर यथावत रहेगा। वाद व्यय वादी स्वयं
वहन करे।


(~~विद्यसायब सिंह सिद्धेडावत~~)
सांगोद, राजस्थान-अधिकारी सांगोद

निर्णय आज दिनांक को खुले न्यायालय मे लिखाया जाकर सुनाया गया।


(~~विद्यसायब सिंह सिद्धेडावत~~)
सांगोद, राजस्थान-अधिकारी सांगोद

फर्द डिक्री मुकदमात इत्यादाई

आर.रुल्य 6-7 जाप्ता दीवानी

निर्णय वइजलास श्री दिव्यराज सिंह वृण्डायत (आर.ए.एस.) उपखण्ड अधिकारी
सांगोद जिला कोटा

प्रकरण संख्या : 9/2015

तारीख दायरा 30.03.2015

उनवान

भंवर सिंह पुत्र मनोहर सिंह जाति राजपूत निवासी कुन्दनपुर तहसील सांगोद हाल
मुकाम भीमपुरा तहसील लाडपुरा कोटा जिला कोटा राजस्थान। - वादी

बनाम

1. योगेन्द्र सिंह पुत्र मनोहर सिंह जाति राजपूत।
2. शांति वाई बेवा मनोहर सिंह जाति राजपूत निवासीगण कुन्दनपुर हाल निवासी
भीमपुरा तहसील लाडपुरा जिला कोटा।
3. चतर सिंह पुत्र मदन सिंह जाति राजपूत निवासी कुन्दनपुर।
4. रघुवीर सिंह पुत्र मदन सिंह जाति राजपूत निवासी कुन्दनपुर तहसील सांगोद।
5. भंवर सिंह माता उच्छव वाई जाति राजपूत।
6. सोभाग सिंह माता उच्छव वाई जाति राजपूत निवासी विशनखेडी तह0 खानपुर।
7. पप्पू माता उच्छव वाई जाति राजपूत निवासी विशनखेडी तह0 खानपुर।
8. लेधियान वाई माता उच्छव वाई जाति राजपूत निवासी विशनखेडी तह0 खानपुर।
9. वेवी कंवर माता उच्छव वाई जाति राजपूत निवासी विशनखेडी तहसील खानपुर
जिला झालावाड राजस्थान।
10. राज्य सरकार जरिये लैण्ड होल्डरतहसीलदार साहव सांगोद।
11. बैंक ऑफ राजस्थान शाखा कनवास जिला कोटा। - प्रतिवादीगण

वादपत्र अन्तर्गत धारा 53, 88, 89 आर. टी. एक्ट


उपरिथत :-

श्री महेश कुमार तिवारी (वकील वादीगण)

दिनांक :- 19.6.2023

श्री सरकार पैरोकार

7


उपखण्ड मजिस्ट्रेट
सांगोद, जिला- कोटा

आज यह मुकदमा वास्तो इन फिसाल कतई रुवरु मुझ श्री दिव्यराज सिंह चूण्डावत (आर.ए. एरा.) व हाजरी श्री महेश कुमार तिवारी गिन जानिव मुदई रुवरु श्री गिन जानिव मुद दायल पेश होकर आदेश दिया जाता है कि-

माल ग्राम कुन्दनपुर पटवार हलका कुन्दनपुर तहसील सांगोद में खाता सं० नई 46 पुरानी 38 के खसरा नं० 164 की 0.30 है०, खसरा नं० 165 की 0.31 है०, खसरा नं० 166 की 0.36 है०, खसरा नं० 186 की 0.18 है०, खसरा नं० 279 की 0.01 है०, खसरा नं० 345 की 0.22 है०, खसरा नं० 404 की 0.26 है० कुल 7 किता की 1.64 है० आराजीयात में पक्षकारान को निम्नानुसार खातेदार कृपक घोषित किया जाता है-

माल ग्राम	खातेदार का नाम	ख.न.	रकवा	किस्म	लगान रु.
कुन्दनपुर	भंवर सिंह पुत्र मनोहर सिंह जाति राजपूत	165	0.10 है. उत्तरी	चाही प्रथम	2.20
		186	0.06 है. उत्तरी	चाही द्वितीय	1.62
		404	0.09 है. उत्तरी	वारानी तृतीय	0.36
		कुल 3	किता की कुल 0.25 है. आराजी		4.18

माल ग्राम	खातेदार का नाम	ख.न.	रकवा	किस्म	लगान रु.
कुन्दनपुर	योगेन्द्र सिंह पुत्र मनोहर सिंह जाति राजपूत	165	0.11 है. मध्य	चाही प्रथम	2.42
		186	0.06 है. मध्य	चाही द्वितीय	1.62
		404	0.08 है. मध्य	वारानी तृतीय	0.32
		कुल 3	किता की कुल 0.25 है. आराजी		4.36

माल ग्राम	खातेदार का नाम	ख.न.	रकवा	किस्म	लगान रु.
कुन्दनपुर	शांति बाई पत्नि स्व. मनोहर सिंह जाति राजपूत	165	0.10 है. दक्षिणी	चाही प्रथम	2.20
		186	0.06 है. दक्षिणी	चाही द्वितीय	1.62
		404	0.09 है. दक्षिणी	वारानी तृतीय	0.36
		कुल 3	किता की कुल 0.25 है. आराजी		4.18

माल ग्राम	खातेदार का नाम	ख.न.	रकबा	किस्म	लगान रू.
मद कुन्दनपुर	रघुवीर सिंह पुत्र मदन सिंह जाति राजपूत	345	0.08 है. दक्षिणी	चाही प्रथम	2.48
		168	0.36 है. संपूर्ण	चाही तृतीय	7.92
		279	0.005 है. दक्षिणी	खेडा प्रथम	0.08
		कुल 3 किता की कुल 0.445 है आराजी			10.48

माल ग्राम	खातेदार का नाम	ख.न.	रकबा	किस्म	लगान रू.
कुन्दनपुर	चतर सिंह पुत्र मदन सिंह जाति राजपूत (नामा.394 दिनांक 2.1.23 मृतक चतर सिंह का विरासतन प्रक्रियाधीन)	345	0.14 है. उत्तरी	चाही प्रथम	4.34
		164	0.30 है. संपूर्ण	चाही तृतीय	6.60
		279	0.005 है. उत्तरी	खेडा प्रथम	0.08
		कुल 3 किता की कुल 0.445 है. आराजी			11.02

उपरोक्तानुसार पक्षकारान को खातेदारा कृपक घोषित किया जाता है। उक्त घोषणा के अनुक्रम में विभाजन प्रस्ताव अनुसार आराजी पृथक-पृथक खाते दर्ज की जाकर राज लगान का अंकन भी पृथक से किया जाकर राजस्व रेकार्ड में अमल दरामद किया जावे। विवादित आराजी पर रहन भार होने की स्थिति में बैंक चार्ज प्रथम होने के कारण रहन भार मूल खातेदार पर यथावत रहेगा।

तदनुसार अंतिम डिक्री जारी की जाती है। नीज ... X ...मुवलिगX ...बावत ...X ..खर्चा इस मुकदमें का मय सूद व शरह ...X ...फीसदी सालाना आज की तारीख में तारीख वसूलयावी तक ... X ..को अदा करें।


यसका मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख को जारी की गई।



दिसपण्ड मजिस्ट्रेट
दिसपण्ड सिंह कुम्हार
उपखण्ड अधिकारी सांगोद

क्र.	विवरण	रुपया	पै	मुदायलाह	रुपया
	स्टाम्प अर्जी दावा			स्टाम्प वकालत नामा	
	स्टाम्प वकालत नामा			स्टाम्प अर्जी	
	स्टाम्प वजह सबूत			महन्ताना वकील	
	महन्ताना वकील			खर्चा पवादान	
	खर्चा पवादान			फीस कगिश्नर	
	फीस कगिश्नर			बाबत इजराय हुकम नामा	
	बाबत इजराय हुकम नामा			मुतफरिक	
	मुतफरिक			मीजान	
	मीजान				

नोट :- इस खर्चे के फार्म पर कुल खर्चा हर दो फरीकेन का, चाहे डिग्री के जरिये दिया जा सकता है नहीं। दर्ज करना चाहिये।


 दिवायत सिंह
 उपखण्ड अधिकारी सचिव